सरस्वती-प्रेस, काशी

प्रकाशित तथा विक्रयार्थ पुस्तकें

सूची-पत्र,

१९३७।

पुस्तकालय

[मासिक-पत्र]

इसी १ नवंबर से प्रकाशित होना शुरू हुआ है।

हिंदी की पुस्तकों के ख़रीदारों के लिए।

नवीन पुस्तकों के ज्ञान का अपूर्व साधन।

किसी भी ग्राहक के पास बिना मूल्य प्रति मास
सुन्दर छपा हुआ पहुँचता रहेगा।

केवल एक कार्ड ही
यह सुन्दर पत्र आपकी सेवा में ला सकेगा।

यदि
आप किताबें ख़रीदना चाहते हैं
तो
आज ही एक प्रति मँगा लीजिये।

पुस्तकालय, बनारस।

(69)

सरस्वती प्रेस, काशी द्वारा प्रकाशित

पुस्तकों की सूची

Less Discount 25%

गो-दान [उपन्यास] लेखक, प्रेमचन्द।

देहाती जीवन का ऐसा सुन्दर चित्रण आपको कहीं न मिलेगा।

पृष्ठ-संख्या ६१२ ; सजिल्द : मूल्य ४)।

काया-कल्प [उपन्यास] लेखक, प्रेमचन्द।

प्रेमचंद का सामाजिक उपन्यास जिसमें प्रेम का एक उत्कृष्ट चित्रण है। कुछ लोगों के विचार में यह लेखक की सर्वोत्कृष्ट रचना है!

पृष्ठ-संख्या ५८२ ; सजिल्द : मूल्य ३)।

ग़बन (दूसरा सुन्दर संस्करण) [उपन्यास] लेखक, प्रेमचंद।

समाज का एक चित्र जिसमें स्त्रियों की आभूषण-प्रियता का बड़ी सुन्दरता से परिचय कराया गया है।

पृष्ठ-संख्या ५१४ ; सजिल्द : मूल्य ३)।

प्रतिज्ञा [उपन्यास] लेखक, प्रेमचन्द।

एक छोटा सामाजिक उपन्यास जिसे आप एक बार प्रारम्भ करके छोड़ न सकेंगे।

पृष्ठ-संख्या २३८ : मूल्य १॥)।

कर्मभूमि [उपन्यास] लेखक, प्रेमचन्द।

राजनैतिक उपन्यास, जिसमें राष्ट्रीय-आंदोलन का ऐसा सजीव चित्रण है, जैसा किसी इतिहास में भी न मिलेगा।

पृष्ठ-संख्या ५५३ ; सजिल्द : मूल्य ३)।

मान-सरोवर [दो भाग] लेखक, प्रेमचन्द।

प्रेमचंद कहानियों में मानव-जीवन के सूक्ष्मतम रहस्यों का उद्घाटन बड़ी सुन्दरता से करते हैं, यह भली प्रकार विदित है। इसमें लेखक की ५१ कहानियाँ संगृहीत हैं। एक-एक कहानी अपने ढंग की निराली चीज़ है!

प्रति भाग ४०० पृष्ठ, सजिल्द : मूल्य प्रति भाग २॥)।

प्रेरणा [कहानियाँ] लेखक, प्रेमचन्द।

पृष्ठ संख्या २५० : मूल्य १।)।

प्रेमतीर्थ [कहानियाँ] लेखक, प्रेमचन्द।

पृष्ठ संख्या १९१ : मूल्य १॥)।

पाँच-फूल [कहानियाँ] लेखक, प्रेमचन्द।

पाँच बहुत उत्कृष्ट कहानियाँ।

पृष्ठ संख्या ११३ : मूल्य ॥।)।

प्रेम-प्रतिमा [कहानियाँ] लेखक, प्रेमचन्द।

पृष्ठ संख्या ३४० : मूल्य २)।

प्रेम की वेदी [नाटक] लेखक, प्रेमचन्द।

एक छोटा सामाजिक नाटक जो बड़ी सरलता से खेला जा सकता है। प्रेम का एक सुन्दर चित्रण।

सजिल्द : मूल्य ।।।)।

नारी-हृदय [कहानियाँ]

श्रीमती शिवरानीदेवी जी की अति प्रशंसित कहानियों का एक संग्रह।

पृष्ठ संख्या २००, : मूल्य १)।

आज़ाद-कथा [दो भाग]

रतननाथ 'सरशार' की हास्य-रस की अमर कृति 'फ़िसाने आज़ाद' का परिवर्द्धित हिन्दी रूप।

रूपान्तरकार, प्रेमचन्द।

हास्य-रस का एक उत्कृष्ट उदाहरण!

पृष्ठ संख्या १००० : मूल्य ४॥)।

घर की राह [उपन्यास]

प्रस्तावना लेखक : प्रेमचन्द

लेखक : इन्द्रबसावड़ा, एम० ए०

'The book contains all the elements of a novel.'
Leader

पृष्ठ संख्या २३० : मूल्य १।)।

कुत्ते की कहानी [सचित्र] प्रेमचन्द कृत।

एक कुत्ते की अति रोचक आत्म-कहानी।

पृष्ठ सख्या १०० : मूल्य ।।।)।

जंगल की कहानियाँ [सचित्र]

बच्चों में स्फूर्ति पैदा करनेवाली कहानियाँ।

पृष्ठ संख्या ४० : मूल्य ।=)।

फाँसी [कहानियाँ] लेखक, जैनेन्द्रकुमार।

पृष्ठ संख्या १२८ : मूल्य ।।।)।

गरम तलवार वीर-रस का नवीन उपन्यास !

गुजराती के प्रसिद्ध उपन्यास 'ताती तलवार' का अनुवाद।

पृष्ठ संख्या २०० : मूल्य १।)।

रूप-राशि [कविताएँ]

देव-पुरस्कार विजेता श्री रामकुमार वर्मा एम० ए० की नवीन कविताओं का संग्रह।

मूल्य ।।।)।

बिखरे फूल [गद्य-काव्य]

महाराजकुमार रघुवीरसिंह के भावपूर्ण उद्गार,

सुन्दर जिल्द, मूल्य १)।

जाग्रत महिला—साहित्य के चार रत्न

[जाग्रत महिला साहित्य के अंतर्गत हिंदी की प्रमुख महिला साहित्य-कर्त्रियों की कृतियाँ प्रकाशित की जा रही हैं। जीवन को महिला-दृष्टिकोण से देखने का इसमें आपको अपूर्व अवसर मिलेगा।]

१—वचन का मोल [उपन्यास] लेखिका, उषादेवी मित्रा।

श्रीमती उषादेवी मित्रा से हिंदी भाषा-भाषी भली प्रकार परिचित हैं। यह उनका बड़ा ही मार्मिक उपन्यास है, जिसकी प्रशंसा सभी प्रतिष्ठित पत्रों ने मुक्त-कंठ से की है।

पृष्ठ-संख्या २०० : मूल्य १)।

२—पिया [उपन्यास] लेखिका, उषादेवी मित्रा।

नया कलापूर्ण सामाजिक उपन्यास जिसे आप अवश्य पढ़िये। अभी छपा है।

पृष्ठ-संख्या २८८ : मूल्य १॥)।

३—हृदय को ताप [उपन्यास] लेखिका, कुटुमप्यारी देवी।

श्रीमती कुटुमप्यारी देवी का क्रान्तिकारी सामाजिक उपन्यास। 'हृदय की ताप' आखिर क्या है ? इसमें पढ़िये।

पृष्ठ-संख्या ३२२ ; सजिल्द : मूल्य २।)।

४—कौमुदी [कहानियाँ] लेखिका, शिवरानी देवी।

श्रीमती शिवरानी देवी की नई कहानियों का सुन्दर संग्रह।

पृष्ठ-संख्या २२१ ; सजिल्द : मूल्य १॥)।

कफ़न और शेष रचनाएँ — लेखक, प्रेमचन्द।

[कहानियाँ] प्रेमचंद की १३ असंग्रहीत कहानियों का एक संग्रह।

पृष्ठ संख्या २०९ ; मोटा काग़ज़, सजिल्द : मूल्य २)।

अहंकार — मूल-लेखक, अमर कलाकार अनातोले फ्रांस। [उपन्यास] अनुवादक : प्रेमचन्द।

विश्व-साहित्य की एक अमर कृति।

पृष्ठ संख्या २३३ ; सुन्दर जैकेट : मूल्य १)।

गल्प-रत्न [कहानियाँ] संपादक, प्रेमचन्द।

हिंदी के उत्कृष्ट कहानी लेखकों की चुनी हुई कहानियों का एक बड़ा सस्ता और सुन्दर संग्रह। लेखकों के परिचय तथा चित्र भी हैं।

पृष्ठ संख्या २०१ : मूल्य १)।

गल्प-समुच्चय [कहानियाँ] संकलनकर्ता, प्रेमचन्द।

हिंदी के उत्कृष्ट कहानी लेखकों की चुनी हुई कहानियों का एक दूसरा संग्रह।

पृष्ठ संख्या २९७ ; सजिल्द : मूल्य २॥)।

प्रेमद्वादशी [कहानियाँ] लेखक, प्रेमचन्द ।

प्रेमचंद की कहानियों में से १२ चुनी हुई कहानियों का एक अति सस्ता संस्करण। इस संग्रह के आठ संस्करण बिक चुके हैं।

पृष्ठ संख्या १८० ; मूल्य ।।।)।

बरगद [एकांकी शोकपर्यवसायी नाटक]

मूल-लेखक, श्रीकृष्ण श्रीधराणी ;
अनुवादक, काशिनाथ त्रिवेदी ।

काका कालेलकर की प्रस्तावना तथा हरिभाऊ उपाध्याय के आशीर्वाद सहित ।

गुजराती 'वडलो' (हिंदी 'बरगद') गुजरात के प्रत्येक साहित्य-प्रेमी को लुभाता है। सचमुच ही 'बरगद' एक मधुर चित्रण है और हृदय को एकदम छूता है। हमारा अनुरोध है कि आप अवश्य एक बार उसे पढ़िये।

पृष्ठ संख्या ८४ ; सुंदर जैकेट सहित : मूल्य ।।।)।

आधीरात [ऐतिहासिक नाटक] लेखक, जनार्दन राय।

मेवाड़ के इतिहास में ऊदा एक ऐसा चरित्र है जिसे अभी तक किसी ने सही-सही नहीं समझा। ऊदा के चरित्र के समझने का यह एक उच्च प्रयास है।

पृष्ठ-संख्या २६८; सजिल्द : मूल्य १॥)।

'हंस' [संस्मरण]

का

'प्रेमचंद-स्मृति-अंक' [प्रधान संपादक, 'आज']

संपादक, बाबूराव विष्णु पराड़कर

प्रेमचन्द के जीवन तथा कला की एक उत्कृष्ट समीक्षा। सुपर रायल अठपेजी के २०६ पृष्ठ, चित्रों सहित, केवल २) में प्राप्य।

कल की बात [आत्म-कथाएँ] लेखक, विविध।

जीवन में आत्मकथाओं का कितना महत्वपूर्ण स्थान है, यह छिपा नहीं है। जब हम जीवन से निराश, हारकर बैठ जाते हैं, तब क्या किसी ऐसे मनुष्य की आत्म-कथा, जो आज सफल है, और जो कभी हमारी ही तरह दुःखित और संतप्त था, हमें बल नहीं प्रदान करती? इस पुस्तक में हिंदी के प्रतिष्ठित लेखकों द्वारा लिखी हुई आत्मकथाएँ हैं, जो उपन्यास या कहानी से किसी भी प्रकार कम मनोरंजक नहीं हैं। आप अवश्य पढ़िये।

पृष्ठ-संख्या १५१ : मूल्य १)।

भारती-भण्डार, लीडर प्रेस, द्वारा प्रकाशित तथा विक्रयार्थ पुस्तकें

कविता

रामचरितमानस—(गो० तुलसीदास) सम्पादक—श्री पं० विजयानन्द जी त्रिपाठी, काशी	...	...	४)
कामायनी—श्री जयशङ्कर प्रसाद	...	...	३)
आँसू ,,	...	...	॥)
लहर ,,	...	...	१)
झरना ,,	...	...	॥)
महाराणा का महत्व ,,	...	...	।=)
प्रेम-पथिक ,,	...	...	।)
करुणालय ,,	...	...	।)
भावुक—श्री राय कृष्णदास	...	...	॥)
गुंजन—श्री सुमित्रानन्दन पन्त	...	...	१॥)
गीतिका—श्री सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	...	...	१॥)
×अनामिका ,,	...	...	
आभास—श्री बालकृष्ण राव, एम० ए०	...	...	॥)
परिचय—संकलनकर्ता—श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी		...	१)
नीरव ,,	...	...	।=)
दूध-बतासा (बच्चों के लिये)—श्री सोहनलाल द्विवेदी, एम० ए०			।॥)

नाटक

स्कन्दगुप्त—श्री जयशङ्कर प्रसाद	...	...	२॥)
अजातशत्रु ,,	...	...	१)
चन्द्रगुप्त ,,	...	...	२॥)
ध्रुवस्वामिनी ,,	...	...	॥=)

विशाख—श्री जयशङ्कर प्रसाद ... ... १)
कामना ,, ... १।)
जनमेजय का नागयज्ञ ,, ... १)
राज्यश्री ,, ... ।।=)
सिन्दूर की होली—श्री लक्ष्मीनारायण मिश्र बी० ए० ... १।)
राजयोग ,, ... १।)
आधी रात ,, ... १)
×समाज के स्तम्भ—(मूल-लेखक इब्सन)
अनु० श्री लक्ष्मीनारायण मिश्र बी० ए० ... ...
×नारी-समस्या ,, ...
बुद्धदेव—श्री विश्वम्भरसहाय 'व्याकुल' ... ... १।)
कारवाँ—श्री भुवनेश्वर प्रसाद ... ... १)
अछूत—श्री आनन्दी प्रसाद ... ... १)

उपन्यास

कंकाल—श्री जयशङ्कर प्रसाद ... ... ३)
तितली ,, ... २।।)
मानकुमारी—(मूल-लेखक चंडीचरण सेन) ... २।।)
निरुपमा—श्री सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' ... ... १।)
किसान की बेटी—श्री नरसिंहराम शुक्ल ... ... ।।=)
अशया—(मूल-लेखक तुर्गनेव)—
अनु० श्री कृष्णानन्द गुप्त ... ... ।।)
साधू और वेश्या—श्री कृष्णप्रसाद कौल ... ... १।)

कहानी संग्रह

आकाशदीप—श्री जयशङ्कर प्रसाद ... ... १।।)
इन्द्रजाल ,, ... २)
प्रतिध्वनि ,, ... ।=)
आँधी ,, ... २)
सुधांशु—श्री राय कृष्णदास ... ... ।।।)
अनाख्या ,, ... १।)

द्वादशी—श्री वाचस्पति पाठक ... ... १।)
प्रदीप ,, ... १)
स्पर्धा—श्री जैनेन्द्रकुमार ... ... ।=)
रूसी कहानियाँ—श्री रामचन्द्र टंडन
एम० ए०, एल०-एल० बी० ... ... ३)
कसौटी ,, ... ।।)
इन्स्टालमेन्ट—श्री भगवतीचरण वर्मा बी० ए०
एल०-एल० बी० ... ... १)
पाँच कहानियाँ—श्री सुमित्रानन्दन पंत ... १)
×अंग्रेज कवियों की कहानियाँ—अनु० पं० केशवदेव शर्मा
सम्पादक—'भारत' ... ...
×पाथेयिका—श्री अज्ञेय ... ...
+सोने का जाल—श्रीराजेश्वर प्रसाद सिंह ...
कम्बख्तो की मार—श्री जी० पी० श्रीवास्तव बी० ए०
एल०-एल० बी० ... ... १।।।)
अबलाओं का बल—श्री आनन्दीप्रसाद ... ... २)
मकरन्द—श्री आनंदीप्रसाद ... ... १।।)
भ्रम—श्री कन्हैयालाल बी० ए०, एल०-एल० बी० ... १।।)
हत्यारे का ब्याह ... ... १।।)
बिखरे मोती ... ... १।)

गद्य-काव्य

साधना—श्री राय कृष्णदास ... ... १)
छायापथ ,, ... ।।)
पगला ,, ... ।।)
प्रवाल—(बच्चों के लिये) ... ... ।=)
संलाप ,, ... ।=)
कलरव—श्री रवीन्द्रनाथ ठाकुर (अनु० श्री रामचन्द्र टंडन) ।।=)

विविध विषय

समन्वय—डाक्टर भगवान्दास ... ... २।।)
मैंने कहा—श्री लक्ष्मीकान्त झा ... ... १)

विचार-विमर्ष—श्री पं० महावीरप्रसाद द्विवेदी ... २॥)
संकलन— ,, ... १।)
अतीत-स्मृति ,, ... १।)
तुलसी-संदर्भ—श्री माताप्रसाद गुप्त ... ... १॥)
हिन्दी राष्ट्र—डा० धीरेन्द्र वर्मा .. ... १)
शिक्षा और स्वराज्य—श्री लज्जाशङ्कर झा ... १॥)
स्नेह और उसके रूपान्तर—श्री काशीपति त्रिपाठी ... १)
मार्कोपोलो की यात्रा—अनु० श्री रामनाथ 'सुमन' ... १)
राष्ट्रीय माँग—(नेहरू रिपोर्ट) श्री भगवतीप्रसाद पाण्डे ... १)
सूर्य-नमस्कार—चीफ़ आफ औंध ... ... १)
चारुचरितावली—श्री बेंकटेशनारायण तिवारी ... १)
कोमलपद-शिक्षण—(स्काउटिंग) श्रीराम बाजपेयी ... ।=)
ग्राम-सेवा ,, ,, ... १)
शैली-प्रदीपिका ,, ,, ... १)
रोगों की अचूक चिकित्सा—श्री जानकीशरण वर्मा ... १॥)
साग-भाजी की खेती—श्री एन० डी० व्यास ... २)

उर्दू

सूर्य-नमस्कार (उर्दू) और अंग्रेजी ... ... १)
क़ुर्बानी ... ... ॥)
मजबूरे-वफ़ा ... ... १।)

नोट—

१—ग्राहकों के सुभीते के लिये अपने यहाँ हम, श्री प्रेमचन्द जी की सब रचनायें तथा हिन्दुस्तानी एकेडमी, नागरी-प्रचारिणी सभा के प्रकाशन रखते हैं, और आवश्यकता होने पर हिन्दी की कोई भी पुस्तक भेजने का प्रबन्ध हमारे यहाँ से है।

२—× चिन्हित पुस्तकें प्रेस में हैं, जो शीघ्र ही प्रकाशित हो रही हैं।

मिलने का पता :—

मैनेजर, लीडर प्रेस, इलाहाबाद।

Printed and published by Krishna Ram Mehta,
at the Leader Press, Allahabad

हिन्दी-ग्रन्थ-रत्नाकर कार्यालय, बम्बई

तथा

प्रकीर्णक-पुस्तक माला की

पुस्तकों की सूची

हिन्दी-ग्रन्थ-रत्नाकर

[लायब्रेरियों और इनाम आदि के लिए यू० पी०, सी० पी०, बिहार, पंजाब और अजमेर शिक्षा-विभागों द्वारा मंजूर-शुदा पुस्तकें क्रमशः U C B P A. चिह्नों से बतलाई गई हैं।]

	स्वाधीनता, ले० महावीरप्रसाद द्विवेदी ...	... मूल्य २)
U	जान स्टुअर्ट मिल, (जीवनी) ले० नाथूराम प्रेमी	... ॥=)
	फूलों का गुच्छा, (कहानी-संग्रह) ,, ,,	... १)
UC	आँख की किरकिरी (उपन्यास), ले० रवीन्द्रनाथ	... १॥)
UC	चौबे का चिट्ठा, ले० बंकिमचन्द्र ...	... ।॥=)
CU	मितव्ययिता, ले० रामचन्द्र वर्मा ...	... ।॥≡)
U	स्वदेश (निबन्ध), ले० रवीन्द्रनाथ ...	... ॥=)
CUB	चरित्र-गठन और मनोबल, ले० दयाचन्द्र बी ए०	... ≡)
CUB	आत्मोद्धार (आत्मकथा), ले० बुकर टी० वा०	... १।)
U	शान्ति-कुटीर (गार्हस्थ्य चित्र), रूपनारायण पांडेय	... १=)
CUB	सफलता और उसकी साधनाके उपाय, ले० रामचन्द्र वर्मा	... ॥=)
CU	अन्नपूर्णा का मन्दिर (उपन्यास), निरुपमादेवी	... ।॥=)
	उपवास चिकित्सा, रामचन्द्र वर्मा ...	... १=)
	सूमके घर-धूम (प्रहसन), द्विजेन्द्रलाल राय	... ।)
PUC	दुर्गादास (नाटक) ,, ,,	... १)
BUC	बंकिम-निबन्धावली, रूपनारायण पांडेय	... १)
ABUC	छत्रसाल (उपन्यास), रामचन्द्र बर्मा	... १॥)
U	प्रायश्चित्त और उन्मुक्तिका बंधन, ले० मेटरलिंक	... ॥)
PUC	मेवाड़-पतन (नाटक), द्विजेन्द्रलाल राय	... ।॥=)
UC	शाहजहाँ ,, ,,	... १)
BUC	मानव-जीवन, रामचन्द्र वर्मा ...	... १॥)

UC	उस पार (नाटक), द्विजेन्द्र०	...	...	१)
	ताराबाई ,, ,,	...	...	१)
C	देश-दर्शन, शिवनन्दनसिंह	...	...	२)
BUC	नव-निधि (कहानियाँ), प्रेमचन्द	...	...	।।।)
UC	नूरजहाँ (नाटक), द्विजेन्द्र०	...	...	१=)
C	आयर्लेण्ड का इतिहास, रामचन्द्र वर्मा	...	...	२।)
U	शिक्षा (निबन्ध), ले० रवीन्द्र बाबू	...	...	।।)
PCU	भीष्म (नाटक), द्विजेन्द्र०	...	...	१।)
UC	काबूर (जीवन चरित), हरिभाऊ उपा०	...	...	१)
PUC	चन्द्रगुप्त (नाटक), द्विजेन्द्र०	...	...	१)
PU	सीता ,, ,,	...	...	।=)
UC	राजा और प्रजा (निबन्ध), रवीन्द्र बाबू		...	१)
UC	गोबर गणेश संहिता (व्यंग्य) गोपालराम गहमरी		...	।)
	पुष्पलता (कहानियाँ), सुदर्शन	...	...	१।)
U	महादजी सिन्धिया (जीवनी), सम्पूर्णानन्द		...	१।)
U	आनन्द की पगडंडियाँ, जेम्स एलेन	...	...	१)
	ज्ञान और कर्म, सर गुरुदास चटर्जी	...	...	३।)
	सरल मनोविज्ञान, कुन्दनलाल गुप्त	...	...	१।)
U	कालिदास और भवभूति (समालोचना), द्विजेन्द्र०		...	१।)
C	साहित्य-मीमांसा, रामदहिन मिश्र	...	...	१।=)
U	राणा प्रतापसिंह (नाटक), द्विजेन्द्र०	...	...	१।)
C	जातियों को सन्देश, पाल रिचर्ड	...	...	।।–)
C	वर्तमान एशिया, रामचन्द्र वर्मा	...	...	२)
C	नीति-विज्ञान (आचार-शास्त्र), गोवर्धनलाल एम० ए०		...	२।)
C	प्राचीन साहित्य (निबन्ध), रवीन्द्रबाबू...		...	।।–)
CU	समाज (निबन्ध), ,,	...	...	।।।=)
CU	अंजना (नाटक), सुदर्शन	...	...	१=)
U	मुक्तधारा (नाटिका), रवीन्द्रबाबू	...	...	।।≡)
U	सुहराब रुस्तम ,, द्विजेन्द्र०	...	...	।।=)
UC	चन्द्रनाथ (उपन्यास), शरत् बाबू	...	...	।।।)
	भारत के प्राचीन राजवंश (द्वि० भाग), विश्वेश्वरनाथ रेऊ			३)
	,, ,, ,, तीसरा भाग ...		,, ...	३)
U	रवीन्द्र-कथा-कुंज (कहानियाँ), रवीन्द्रबाबू		...	१)
	मेरे फूल (कविता), वंशीधर विद्यालंकार		...	।।।)
CB	संजीवन-सन्देश, टी० एल० वास्वानी	...	...	।।=)
	प्रेम-प्रपंच (नाटक), जर्मन महाकवि शीलर		...	।।≡)
CU	सामर्थ्य, समृद्धि और शान्ति, ओ० स्वेट मार्डन		...	१।)

चिर-कुमार-सभा (उपन्यास), रवीन्द्रबाबू ... १।)
U विधाता का विधान (उपन्यास), निरुपमादेवी ... २॥)
घृणामयी (उपन्यास), इलाचन्द्र जोशी ... १।)
मानव-हृदय की कथाएँ (कहानियाँ),मोपाँसाँ ... १)
,, दूसरा भाग ,, ... ॥=)
CU साहित्य (निबंध), रवीन्द्र बाबू ... ... ॥।)
C चन्द्रकला (कहानियाँ), चन्द्रगुप्त विद्यालंकार ... ॥=)
मध्यप्रदेश का इतिहास, प्रयागदत्त शुक्ल ... १॥)
परख (उपन्यास) जैनेन्द्रकुमार ... ... १)
प्रपंच-परिचय (दार्शनिक) प्रो० विश्वेश्वर ... १॥)
C वातायन (कहानियाँ),जैनेन्द्रकुमार ... ... १॥)
संजीवनी विद्या (ब्रह्मचर्य), रामचन्द्र वर्मा ... ॥।)
प्रभावशाली जीवन, लिली एलेन ... ... ॥।)
मुगल-साम्राज्य के क्षय और उसके कारण, ले०, इन्द्र-विद्यावाचस्पति ३)
A साहित्य की उपक्रमणिका, किशोरीदास वाजपेयी ... ॥≡)
नवीन चिकित्सा-विज्ञान (जलचिकित्सा) डा० लुई कुहने ३)
U झलमला (कहानियाँ), पदुमलाल बख्शी बी० ए० ... ॥=)
मँगनी के मियाँ (प्रहसन), रामचन्द्र वर्मा ... ॥।)
एकरात (कहानियाँ) जैनेन्द्रकुमार ... ... १)
काला फूल (उपन्यास), अलेकजेंडर ड्यूमा ... १॥।)
शत-दल (कविता), पदुमलाल बख्शी ... ... ॥)
मान सरोवर (कहानियाँ), प्रेमचन्द ... ... २॥)
,, दूसरा भाग ,, ,, ... २॥)
उर्दू-हिन्दीकोश, रामचन्द्र वर्मा ... ... २॥)
शरत् साहित्य (छः भाग) ... ... ३)
अशोक-वन (नाटक) ... ... ॥=)
सिद्धार्थ (महाकाव्य) ... ... ३)

प्रकीर्णक पुस्तक-माला

फूलों का गुच्छा, द्वि० भाग० (कहानियाँ) ... १)
CU भारत-रमणी (नाटक), ले० द्विजेन्द्रलाल राय ... ॥।=)
सन्तान कल्पद्रुम, रामेश्वरानन्द ... ... ॥।)
व्यापार-शिक्षा, गिरिधर शर्मा ... ... ॥–)

	ब्याही बहू, सूरजभानु वकील	।)
CU	पाषाणी (अहल्या नाटक), ले० द्विजेन्द्रलाल राय ...	१=)
CU	लंका-विजय (नाटक) ,, ...	१।)
U	प्राकृतिक चिकित्सा	॥=)
	योग-चिकित्सा	=)
	दुग्ध-चिकित्सा	=)
	देव-सभा (खंड काव्य), रामचरित उ०	।-)
CP	अरबी-काव्य-दर्शन, महेशप्रसाद	१।)
	बूढ़े का ब्याह (काव्य), 'मीर'	।=)
U	सुखदास (उपन्यास), प्रेमचन्द	॥=)
U	श्रमण नारद (कहानी)	=)
U	दियातले अँधेरा ,, ...	≡)
	सदाचारी बालक ,, ...	=)॥
U	भाग्य-चक्र ,, ...	=)
UB	पिता के उपदेश	=)
CUB	अच्छी आदतें डालने की शिक्षा	≡)
U	जीवन निर्वाह, सूरजभानु वकील	१)
UC	विद्यार्थियों के जीवन का उद्देश्य	-)॥
U	सुगम-चिकित्सा	=)
CU	युवाओं का उपदेश	॥=)
	जननी और शिशु, सूरजभानु वकील	।॥=)
BU	विद्यार्थियों का सच्चा मित्र	॥≡)
	ठोक पीटकर वैद्यराज (प्रहसन)	॥)
	मधु-चिकित्सा	≡)॥
	विधवा-कर्तव्य	॥)
UC	वीरों की कहानियाँ	।=)
UCB	कठिनाई में विद्याभ्यास	॥≡)
U	मानसिक शक्तियों के बढ़ाने के उपाय	=)
	तम्बाकू से हानि	≡)
	मानव-धर्म	१)
	मलावरोध-चिकित्सा	।-)
	संक्षिप्त जल-चिकित्सा	≡)

सस्ता साहित्य मण्डल के प्रकाशन

१—**दिव्य जीवन**। स्वेट मार्डेन की The Miracles of Right Thought नामक पुस्तक का अनुवाद। जीवन की कठिन समस्याओं से निराश युवकों के लिए, यह पुस्तक संजीवनी विद्या के समान है। उत्साहवर्धक ओजपूर्ण और सही रास्ता बताने वाली। मूल्य ।=)

२—**जीवन साहित्य**— भारतीय साहित्य परिषद् के मंत्री और महान् विचारक काका कालेलकर के शिक्षा, संस्कृति, सभ्यता, राजनीति आदि महत्वपूर्ण विषयों पर लिखे निबन्धों का संग्रह। मूल्य १।)

३—**तामिल वेद**। दक्षिण के अछूत महात्मा तिरुवल्लुवर का उच्चकोटि का नैतिक, धार्मिक, राजनैतिक, सामाजिक शिक्षाओं से भरा हुआ ग्रन्थ। भूमिका-लेखक चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य। मूल्य ।।।)

४—**भारत में व्यसन और व्यभिचार**। [ले० वैजनाथ महोदय] इसमें तथ्यों तथा आँकड़ों से यह बताया है कि भारतवर्ष में शराब, भाँग, गाँजा अफ़ीम आदि दुर्व्यसन कैसे फैले तथा उनसे भारतवर्ष की जनता को क्या हानियाँ हुईं और हो रही हैं; व्यभिचार के पाप से भारतवासी किस प्रकार ग्रसित हो रहे हैं; और किस प्रकार हम प्रयत्न करके इन दुर्गुणों के पंजों से निकल सकते हैं। मूल्य ।।।=)

५—**सामाजिक कुरीतियाँ**। [जब्त : अप्राप्य] मूल्य ।।।)

६—**भारत के स्त्री-रत्न**। इस पुस्तक में लगभग भारतवर्ष की सभी प्रसिद्ध एवं पूजनीय देवियों की मनोहर तथा पवित्र जीवन-कथाएँ लिखी गई हैं। बहनें इन्हें पढ़ें तथा हमारे पवित्र और गौरवशाली भूतकाल की झाँकी देखें और अपने को आदर्श स्त्री-रत्न बनावें। तीन भागों में। चौथा भाग तैयार हो रहा है। मूल्य ३)

७—**अनोखा**। फ्रांस के प्रसिद्ध उपन्यासकार विक्टर ह्यूगो के Laughing Man का अनुवाद। उमराओं तथा दरबारियों की कुटिल क्रीड़ाओं का नग्न दर्शन। मनोरंजक, करुण और गंभीर। मूल्य १।=)

८—**ब्रह्मचर्य-विज्ञान**। (जगन्नारायणदेव शर्मा) इस पुस्तक में ब्रह्मचर्य की महिमा, उसके पालन की विधि, उसके लाभ आदि बातें बहुत अच्छे ढंग

से बताई गई हैं। पुस्तक में वेद, उपनिषद्, पुराण आदि सद्ग्रन्थों के शुभ वचनों का बहुत अच्छा संग्रह है। मूल्य ।।।=)

९—**यूरप का इतिहास**। (रामकिशोर शर्मा) अर्थात् राष्ट्रीयता, आत्म-बलिदान तथा आज़ादी का इतिहास। हम भारतीयों को यह इतिहास ज़रूर पढ़ना चाहिए। तीन भागों में। मूल्य २)

१०—**समाज-विज्ञान**। (चंद्रराज भंडारी) समाज-रचना, उसके विकास तथा निर्माण पर इसमें बहुत अच्छी तरह विचार किया गया है। 'समाजशास्त्र' पर हिन्दी की मौलिक और श्रेष्ठ पुस्तक। मूल्य १।।)

११—**खद्दर का संपत्तिशास्त्र**। रिचर्ड बी ग्रेग की The Economics of Khaddar का हिन्दी अनुवाद। इसमें विद्वान् लेखक ने खादी की उपयोगिता वैज्ञानिक तथा आर्थिक ढंग से सिद्ध की है। मूल्य ।।।=)

१२—**गोरों का प्रभुत्व**। अमेरिकन विद्वान लाथाय स्टडार्ड की Rising Tide of Colour नामक पुस्तक के आधार पर इसमें बतलाया गया है कि संसार की सवर्ण जातियाँ स्वतंत्र होने के लिए किस प्रकार गोरी जातियों से लड़ रही हैं और किस प्रकार उनके भार से अपनेको स्वतंत्र कर रही हैं। ।।।=)

१३—**चीन की आवाज़**। [अप्राप्य] मूल्य ।-)

१४—**दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह का इतिहास**। (महात्मा गांधी) सत्याग्रह की उत्पत्ति तथा उसके प्रयोग का खुद गांधीजी द्वारा लिखा इतिहास पढ़ें कि किस प्रकार बहादुरी से इस शस्त्र के द्वारा अफ्रीका-वासियों ने अपने अधिकारों की बिना दूसरों को तकलीफ़ पहुँचाते हुए रक्षा की। मूल्य १।)

१५—**विजयी बारडोली**। [अप्राप्य] मूल्य २)

१६—**अनीति की राह पर**। संयम, इन्द्रिय-निग्रह तथा ब्रह्मचर्य पर गांधीजी की यह कृति अनुपम और सर्वश्रेष्ठ है। नया परिवर्द्धित संस्करण, मूल्य ।।=)

१७—**सीता की अग्नि-परीक्षा**। (कालीप्रसन्न घोष) लंका-विजय के बाद सीताजी की अग्नि-शुद्धि का यह वैज्ञानिक विश्लेषण है। विज्ञान का हवाला देकर, यह बताया गया है कि सीता की अग्नि-परीक्षा की घटना सच्ची है। मूल्य ।-)

१८—**कन्या शिक्षा**। इस छोटी-सी पुस्तक में हिन्दी के विद्वान् लेखक स्व० चन्द्रशेखर शास्त्री ने बिलकुल सरल ढंग से, शुरू से लेकर विवाह के बाद तक की कन्याओं के जीवन तथा उनके कर्तव्यों की चर्चा

प्रश्नोत्तर के रूप में बड़े सुन्दर ढंग से की है। कन्याओं के सीखने योग्य सभी बातें इसमें आगई हैं। मूल्य ।)

१६—**कर्मयोग**। स्व० अश्विनीकुमार दत्त की यह पुस्तक पढ़ने से पाठक 'कर्मयोग' के संसार में प्रवेश पा जाते हैं और उनको पारमार्थिक सुख का अनुभव होने लगता है। मूल्य ।=)

२०—**कलवार की करतूत**। रूस के महान् लेखक काउण्ट टाल्सटाय की सरल भाषा में शराब के आविष्कार की मनोरंजक और शिक्षाप्रद कहानी। मूल्य =)

२१—**व्यावहारिक सभ्यता**। (गणेशदत्त शर्मा 'गौड़') युवकों, बच्चों यहाँ तक कि अवस्था प्राप्त लोगों के लिए भी रोज़ के व्यवहार में आनेवाली शिक्षाओं की पोथी। बोधप्रद, शिक्षाप्रद तथा ज्ञानप्रद। मूल्य ॥)

२२—**अन्धेरे में उजाला**। टाल्सटाय के Light Shines in the Darkness नामक नाटक का अनुवाद। इस नाटक में टाल्सटाय ने अपने जीवन की छाया अंकित की है। उनके हृद्गत मनोभावों और हृदय-मंथन की यह अनुपम कहानी है। मूल्य ॥)

२३—**स्वामीजी का बलिदान**। [अप्राप्य] मूल्य ।-)

२४—**हमारे ज़माने की गुलामी**। [जब्त : अप्राप्य] मूल्य ।)

२५—**स्त्री और पुरुष**। संयम तथा ब्रह्मचर्य पर टाल्सटाय की यह पुस्तक बहुत महत्वपूर्ण है। स्त्रियों को अपनी इच्छापूर्ति का साधन समझने वाले इसे पढ़ें और समझें कि स्त्री-पुरुषों का संबंध भोग विलास का नहीं बल्कि एक पवित्र उद्देश्य के लिए किया गया एक पवित्र संबंध है। मूल्य ॥)

२६—**सफ़ाई**। घर, गाँव तथा शरीर की सफाई के सम्बन्ध में उत्तम पुस्तक। ग्रामीणों के काम की चीज़। मूल्य ।=)

२७—**क्या करें ?** टाल्सटाय की सुप्रसिद्ध पुस्तक What to do ? का अनुवाद। गरीबों एवं पीड़ितों की समस्यायें और उनका हल। यह पुस्तक नहीं बल्कि समभावी हृदय का मंथन है। मूल्य १॥=)

२८—**हाथ की कताई-बुनाई**। [अप्राप्य] मूल्य ॥-)

२९—**आत्मोपदेश**। यूनान के प्रसिद्ध विचारक महात्मा एपिक्टेटस के उत्तम और महत्वपूर्ण उपदेशों का संग्रह। मूल्य ।)

३०—**यथार्थ आदर्श जीवन**। [अप्राप्य] मूल्य ॥।-)

३१—**जब अंग्रेज़ नहीं आये थे**। इसमें बताया गया है कि भारत की

दुर्दशा किस प्रकार अंग्रेज़ों के यहाँ आने के बाद से शुरू हुई। स्व० दादाभाई नौरोज़ी की Poverty and Un-British Rule in India नामक पुस्तक के आधार पर लिखित। मूल्य ।)

३२—**गंगा गोविन्दसिंह**। [अप्राप्य] मूल्य ॥=)

३३—**श्री रामचरित्र**। श्री चिन्तामणि विनायक वैद्य लिखित रामायण की कहानी। करुण और मधुर। मर्यादा-पुरुषोत्तम श्री रामचन्द्रजी का जीवन-चरित्र। मूल्य १)

३४—**आश्रम-हिरिणी**। (वामन मल्हार जोशी) एक पौराणिक गाथा। विधवा-विवाह-समस्या पर पौराणिकों के विचार। मूल्य ।)

३५—**हिन्दी-मराठी-कोष**। (पुण्डलीक) मराठी भाषा-भाषियों को हिन्दी सीखने में सहायता देनेवाला अत्युत्तम कोष है। मूल्य २)

३६—**स्वाधीनता के सिद्धान्त**। आयर्लैण्ड के अमर शहीद टिरेन्स मेक्स्विनी के Principles of Freedom का अनुवाद। आज़ादी की इच्छावालों की नसों में नया खून, नया जोश और स्फूर्ति भरनेवाली पुस्तक। मूल्य ॥)

३७—**महान् मातृत्व की ओर**। (नाथूराम शुक्ल) इस पुस्तक में मातृत्व की ज़िम्मेदारी, उसकी गुरुता और आदर्श का दिग्दर्शन है। स्त्री-उपयोगी, उत्तम और दिलचस्प पुस्तक। मूल्य ॥।=)

३८—**शिवाजी की योग्यता** (गो० दा०तामसकर) छत्रपति शिवाजी का चरित्र-विश्लेषण। उनकी शासन-प्रणाली का तर्कपूर्ण अध्ययन। मूल्य ।=)

३९—**तरंगित हृदय**। गुरुकुल कांगड़ी के आचार्य श्री देवशर्मा 'अभय' के विचार-तरंगों का सुन्दर संग्रह। स्वामी श्रद्धानन्द के आशीर्वाद सहित नया संस्करण। मूल्य ॥)

४०—**हालैण्ड की राज्यक्रान्ति [नरमेध]** अंग्रेज़ी के सुप्रसिद्ध लेखक मोटले की Rise of the Dutch Republic के आधार पर श्री चन्द्रभाल जौहरी का लिखा हुआ डच-प्रजा के आत्मयज्ञ का पुनीत और रोमांचकारी इतिहास। हृदय में उथल-पुथल मचा देनेवाला क्रांतिकारी ग्रंथ। मूल्य १॥)

४१—**दुखी दुनिया**। ग़रीब और पीड़ित मानवी दुनिया के करुण चित्र। श्री राजगोपालाचार्य की सच्ची घटनाओं पर लिखी कहानियाँ। मधुर, करुण और सुन्दर। मूल्य ॥)

४२—**ज़िन्दा लाश**। टाल्सटाय के The Living Corpse नामक

नाटक का अनुवाद। टाल्सटॉय के सब नाटकों में यह बड़ा ही करुण और मर्मस्पर्शी है। मूल्य ॥)

४३—**आत्म-कथा**। (महात्मा गांधी) संसार के साहित्य का यह एक उज्ज्वल रत्न है। उपनिषदों की भाँति पवित्र और उपन्यासों की भांति रोचक। चरित्र को निर्मल और मन को ऊँचा उठानेवाला। हरिभाऊ उपाध्याय द्वारा किया गया प्रामाणिक अनुवाद। मूल्य १॥)

४४—**जब अंग्रेज आये**। [ज़ब्तः अप्राप्य] मूल्य १।=)

४५—**जीवन-विकास**। डार्विन के विकासवाद के सिद्धान्त को विशद रूप से समझानेवाली हिन्दी में यह एक ही पुस्तक है। मूल्य १।) १॥)

४६—**किसानों का बिगुल**। [ज़ब्त अप्राप्य] मूल्य =)

४७—**फांसी**। विक्टर ह्यूगो लिखित Sentence to death नामक उपन्यास का अनुवाद। फांसी की सजा पाये हुए एक युवक के मनोभावों का चित्रण। बेबस और करुण हृदय की झांकी। मूल्य ।=)

४८—**अनासक्तियोग और गीता-बोध**। गीता पर महात्मा गांधी की व्याख्या; मूल श्लोक तथा महात्माजी द्वारा गीता के तात्पर्य—गीताबोध सहित ३५० पृष्ठों में। मूल्य केवल ।=)

केवल **अनासक्तियोग** =) सजिल्द ।) : **गीताबोध** —)॥

४९—**स्वर्ण विहान**। (हरिकृष्ण प्रेमी) [ज़ब्त : अप्राप्य] मू० ।=)

५०—**मराठों का उत्थान और पतन**। (गोपाल दामोदर तामसकर) मराठा साम्राज्य का विस्तृत और सच्चा इतिहास। मराठी भाषा में भी मराठों का ऐसा सच्चा और बड़ा इतिहास नहीं है। ऐसा महाराष्ट्र के अनेक विद्वान मानते हैं। मूल्य २॥)

५१—**भाई के पत्र**। (रामनाथ 'सुमन') स्त्री-जीवन पर प्रकाश डालनेवाली उनकी घरेलू एवं रोजमर्रा की कठिनाई में पथ प्रदर्शक; बहनों के हाथों में दिये जाने योग्य एक ही पुस्तक। मूल्य १॥) २)

५२—**स्वगत**। (हरिभाऊ उपाध्याय) चरित्र को गढ़नेवाले तथा युवकों को सच्चा रास्ता दिखानेवाले उच्च और उत्तम विचार। मूल्य ।=)

५३—**युगधर्म**। [जब्त : अप्राप्य] मूल्य १=)

५४—**स्त्री समस्या**। (मुकुटबिहारी वर्मा) नारी-जीवन की जटिल समस्याओं का गम्भीर अध्ययन। स्त्री-आन्दोलन के इतिहास सहित स्त्रियों की समस्या पर यह एक अच्छी और संग्रह करने योग्य 'रेफरेन्स' बुक है। मूल्य १॥।) सजिल्द २)

५५—**विदेशी कपड़े का मुक़ाबला**। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री श्री मनमोहन गांधी लिखित। इसमें बतलाया गया है कि भारत किस प्रकार अपनी ज़रूरत का पूरा कपड़ा तैयार कर सकता है और विदेशी कपड़े को हिन्दुस्तान में आने से रोक सकता है। मूल्य ॥=)

५६—**चित्रपट**। प्रो० शान्ति प्रसाद वर्मा एम० ए० के गद्य-गीतों का संग्रह भावनामय, करुण और मधुर। मूल्य ।=)

५७—**राष्ट्रवाणी**। (गांधीजी) [अप्राप्य] मूल्य ॥=)

५८—**इंग्लैण्ड में महात्माजी**। (महादेव देसाई) महात्माजी की दूसरी गोलमेज़ परिषद् के समय की इंग्लैण्ड की यात्रा का सुन्दर, सरस और मजेदार वर्णन। हिन्दी में अपने ढंग का सर्वोत्तम यात्रा-वृत्तान्त। मूल्य १)

५९—**रोटी का सवाल**। मशहूर क्रान्तिकारी लेखक प्रिंस क्रोपाटकिन की अमर कृति Conquest of bread का सरल अनुवाद। समाजवाद का सुन्दर, सरल और सुबोध विवेचन। मूल्य १)

६०—**दैवी-सम्पद्**। उत्तम नैतिक एवं धार्मिक पुस्तक। 'दैवी-सम्पद् से मनुष्य को मोक्ष होता है।' गीता की उक्ति का सुन्दर विवेचन। मनुष्य को मोक्ष का रास्ता बतानेवाली पुस्तक। मूल्य ।=)

६१—**जीवन-सूत्र**। अंग्रेज़ी में थॉमस केंपिस लिखित सर्व प्रसिद्ध पुस्तक Imitation of Christ का अनुवाद। जीवन को उन्नत और विचारों को सात्विक बनानेवाली पोथी। अंग्रेज़ी में इसको बाइबिल के समान माना जाता है। मूल्य ॥।)

६२—**हमारा कलंक**। अस्पृश्यता निवारण पर महात्माजी के विचारों एवं लेखों का संग्रह, उनके महान् उपवास की कहानी। महात्माजी के आशीर्वाद सहित। मूल्य ॥=)

६३—**बुद्बुद्**। (हरिभाऊ उपाध्याय) अपने आदर्शों से जीवन का मेल मिलानेवाले युवकों के लिए चिन्तनीय पुस्तक है। मूल्य ॥)

६४—**संघर्ष या सहयोग**? प्रिंस क्रोपाटकिन की Mutual Aid नामक पुस्तक का अनुवाद। इसमें बतलाया है कि पशु और पक्षियों से लेकर मनुष्य तक सबके जीवन का आधार सहयोग है, संघर्ष नहीं; एकता है, लड़ाई नहीं! मूल्य १॥)

६५—**गांधी-विचार दोहन**। श्री किशोरलाल मशरूवाला ने इसमें महात्माजी के समस्त राजनैतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं नैतिक विचारों का

बड़ा सुन्दर संकलन और दोहन किया है। मूल्य ।।।)

६६—**एशिया की क्रांति**। (सत्यनारायण) [ज़ब्त : अप्राप्य] १।।।)

६७—**हमारे राष्ट्र-निर्माता**। (रामनाथ 'सुमन') लोकमान्य तिलक, स्व० मोतीलालजी, मालवीयजी, महात्माजी, दास बाबू, जवाहरलालजी, मौ० मुहम्मदअली, सरदार और प्रेसिडेण्ट पटेल की जीवनियाँ—उनके संस्मरण, जीवन की झांकियां और उनके व्यक्तित्व का विश्लेषण। हिन्दी में यह पुस्तक जीवन-चरित्र लिखने का एक नया ही मार्ग उपस्थित करती है। अपने ढंग की एक ही मौलिक पुस्तक। मूल्य २।।) ३)

६८—**स्वतंत्रता की ओर**। (हरिभाऊ उपाध्याय) इसमें बताया गया है कि हमारे जीवन का लक्ष्य क्या है ? हम उस लक्ष्य—स्वतंत्रता—को किस प्रकार और किन साधनों से प्राप्त कर सकते हैं। हमारा समाज कैसा हो, हमारा साहित्य कैसा हो, हमारा जीवन कैसा बने, जिससे हम स्वतंत्रता की ओर बढ़ते चले जायँ। हिन्दी में इस पुस्तक का बड़ा आदर हुआ है और अपने ढंग की एक ही मौलिक पुस्तक मानी जाती है। मूल्य १।।)

६९—**आगे बढ़ो**। स्वेट् मार्डेन के Pushing to the Front का संक्षिप्त अनुवाद। कठिनाई में पड़े युवकों को सच्चे साथी के समान रास्ता बतानेवाली। मूल्य ।।।)

७०—**बुद्ध-वाणी**। (वियोगी हरि) भगवान् बुद्ध के चुने हुए वचनों का विषयवार संकलन। बौद्ध-धर्म के विषय में हिन्दी में मिलनेवाले सब ग्रन्थों का सार-तत्त्व। मूल्य ।=)

७१—**कांग्रेस का इतिहास**। डॉ० पट्टाभिसीतारामैया की लिखी तथा कांग्रेस की स्वर्ण-जयन्ती पर प्रकाशित अंग्रेजी पुस्तक History of the Congress का यह प्रामाणिक अनुवाद है। इसकी भूमिका तत्कालीन राष्ट्रपति श्री राजेन्द्रबाबू ने लिखी है अनुवाद तथा संपादन श्री हरिभाऊ उपाध्याय ने किया है। दूसरा संस्करण बड़े आकार के ६५० पृष्ठों की सजिल्द पुस्तक। मूल्य २।।)

७२—**हमारे राष्ट्रपति**। (सत्यदेव विद्यालंकार) काँग्रेस के पहले अधिवेशन से अबतक के तमाम सभापतियों के जीवन-परिचय इस पुस्तक में दे दिये हैं। हिन्दी में अपने विषय की यह उत्तम तथा एक-मात्र पुस्तक है। भूमिका श्री राजेन्द्रबाबू ने लिखी है। सब सभापतियों के चित्रों के साथ पृष्ठ संख्या ४००। मूल्य १)

७३—**मेरी कहानी**। पं० जवाहरलाल नेहरू की आत्म कथा। हिन्दी अनुवाद और संपादन हरिभाऊ उपाध्याय ने किया है। इस पुस्तक के प्रकाशित होने से हिन्दी और अंग्रेजी साहित्य में एक जीवन पैदा हो गया है। वर्तमान समय की एक ही पुस्तक। बड़े आकार में, पृष्ठ-संख्या ७५०। सजिल्द मूल्य ४)

७४—**विश्व इतिहास की झलक**। पण्डित जवाहरलालजी के अपनी पुत्री इंदिरा के नाम लिखे पत्रों का संग्रह। इसमें १९६ पत्र हैं और इसमें उन्होंने सारी दुनिया का इतिहास बड़ी सरलता से बताया है। मूल्य लगभग ८)। शीघ्र ही प्रकाशित होगी।

७५—**हमारे किसानों का सवाल**—भूमिका लेखक पण्डित जवाहरलाल नेहरू। ले० डा० अहमद। इसमें हमारे ग़रीब किसानों की समस्या का बहुत अच्छी तरह दिग्दर्शन कराया गया है। मूल्य केवल ।)

आगे प्रकाशित होनेवाले ग्रन्थ

१—**गांधीवाद और समाजवाद**—सम्पादक आचार्य काका कालेलकर।
२—**हत्या या शान्ति**—लेखक म्यूरियल लिस्टर।
३—**गीतामंथन**—ले० किशोरलाल मशरूवाला।
४—**राजनीति की भूमिका**—ले० हेराल्डलास्की।

हमारे आनेवाले प्रकाशन

रामचर्चा प्रेमचंद-लिखित

कोमल आयु के बच्चों के योग्य रामचंद्र जी का अति रोचक वृत्तान्त। १० सुंदर चित्रों, नयनाभिराम छपाई तथा गेट-अप सहित।

मूल्य लगभग २)

स्त्री-दर्शन कन्याओं तथा स्त्रियों के लिए

अमूल्य शिक्षा से पूर्ण। प्रत्येक घर में इसकी एक प्रति रहना आवश्यक है।

सुंदर जैकेट सहित, मूल्य १)

सृष्टि का आरंभ [नाटक] मूल लेखक—बर्नार्ड शॉ

अनुवादक—प्रेमचंद

सुन्दर छपाई ; मूल्य ।।।)

'हंस' : एक उगते राष्ट्र का मासिक

:: संपादक ::

जैनेन्द्रकुमार

नोट—नमूने की प्रति ।) के टिकट पर प्राप्य ।

मनीआर्डर भेजने का पता—

'हंस' कार्यालय, बनारस ।